भिक्षा देदे माई भिक्षा देदे माई
भिक्षा देदे माई भिक्षा देदे माई
तेरे द्वार पे चलके आया शरिडी वाला साँई
भिक्षा देदे माई

चमिटा कटोरा सटका लेकर भिक्षा माँगने आए
तू दे न दे फरि भी साँई आशषि दे कर जाए
भिक्षा देदे माई

देवे भिक्षा उसको साँई दस पट कर लौटाए
ना भी दे तो हरपल साँई उसका भार उठाए
भिक्षा देदे साँई

दान धरम से भोग है कटता यह बतलाने आए
एक इशारा हो जाए उसका भव से तू तर जाए
भिक्षा देदे माई

रूप बदलना आदत उसकी घर भक्तों के जाए
रोटी टुकड़ा भिक्षा मांगे असली रूप छपिाए
भिक्षा देदे माई

तेरे द्वार पे चलकर आया शरिडी वाला साँई
भिक्षा देदे माई